गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मो० मकबूल डर): (क) और (ख) अपेक्षित सूचना इस प्रकार है:—

वर्ष	व्यक्ति जिन पर न्यायालय में मुकदमा चलाया गया	दोषसिद्ध	दोषमुक्त
1994	54134	12064	2848
1995	61224	11722	1697
1996	42127	11136	429
1997 (31.3.1997 तक)	4768	2125	6

दिल्ली में अपराधों की रोकथाम

3400. **श्री राम जेठमलानी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली राज्य में अपराधों की रोकथाम करने और पुलिस बल के कार्यकरण में सुधार लाने के लिए गत वर्षों में व्यापक परिवर्तन किए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और ये कदम कब-कब उठाए गए थे; और

(ग) इन कदमों के परिणामस्वरूप क्या उपलब्धि हासिल होने की संभावना है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मो० मकबूल डार): (क) और (ख) जी हां, श्रीमान्। पुलिस बल के कार्यकरण में सुधार तथा पुलिस विभाग को पुर्नगठित करके दिल्ली में अपराध रोकने के लिए उठाये गए कदमों में शामिल है:—

(i) नवम्बर, 1994 में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा का पांच प्रमुख विंगों, नामतः पारंपरिक अपराध विंग, आर्थिक अपराध विंग, सामाजिक रक्षा विंग, वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता विंग तथा अपराध मुख्यालय विंग में पुर्नगठन।

(ii) ऐसी महिलाओं, जो विभिन्न अपराधों की शिकार होती हैं, की शिकायतों की जांच करने के लिए 1983 में महिला अपराध प्रकोष्ठ की स्थापना।

(iii) विशेष रूप से सार्वजनिक भूमि के अतिक्रमण और/या निपटान संपत्ति से उसके दखलदारों को जबर्दस्ती बेदखल करने तथा इस संबंध में सरकारी अधिकारियों की सांठ-गांठ और भ्रष्ट आचरण तथा इसे सौंपे जाने वाले इस प्रकार के अन्य आपराधिक मामलों से संबंधित अपराधों की जांच-पड़ताल करने के लिए सितम्बर, 1996 में एक विशेष कार्य बल की स्थापना।

(iv) महत्वपूर्ण मामलों की जांच-पड़ताल करने के लिए 1995 के दौरान सभी पुलिस जिलों में विशेष जांच-पड़ताल यूनिटों के रूप में जिला अपराध प्रकोष्ठों का सृजन।

निम्नलिखित विशेष अभियान चलाये गए हैं:—

(i) नौकर सत्यापन अभियान।

(ii) पड़ोस निगरानी योजना।

(iii) वृद्ध नागरिक योजना।

(iv) सम्पति से गैर-कानूनी तथा जबर्दस्ती बेदखल करने के खिलाफ सख्त कार्रवाई।

(ग) इन कदमों के फलस्वरूप दिल्ली में अपराध का पता लगाने की प्रतिशतता में सुधार हुआ है। नौकरों द्वारा किए जाने वाले जघन्य अपराधों में काफी कमी आई है। फिरौती के लिए अपहरण की वारदातों में भी कमी आई है तथा पूर्व में अपराधी रह चुकी जन-जातियों द्वारा किए जाने वाले हमलों में लगातार कमी हो रही है। दहेज-उत्पीड़न से महिलाओं की रक्षा करने की इसकी भूमिका तथा राजीनामा कराने में इसके प्रयासों में भी महिला अपराध प्रकोष्ठ काफी प्रभावकारी रहे हैं।

Complaints against Junior Field Officers of SIB

3401. SHRI MAHESHWAR SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether he has received complaints from some M.Ps against some junior field officers of the (Subsidiary Intelligence Bureau) stationed in Sikkim; and

(b) whether any verification/enquiry on the allegations as per the complaints have been initiated; if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHD. MAQBOOL DAR): (a) Yes sir.

(b) The matter has been enquired into and the allegations levelled against the said officer were *Not* substantiated.

पश्चिम रेलवे के अन्तर्गत चलती गाड़ियों में चोरियां होना

3402. **श्रीमती आनंदी ज० पटेल:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों में पश्चिम रेलवे के अन्तर्गत चलती रेलगाड़ियों में यात्रियों के सामान की चोरी होने के बारे में कितनी शिकायतें दर्ज करायी गईं;

(ख) उनका रेलवे स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार चलती रेलगाड़ियों मे इस प्रकार की चोरियों को रोकने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मो० मकबूल डार): (क) और (ख) चलती रेलों में केवल यात्रियों के सामान की चोरी से संबंधित विशिष्ट क्षेत्रवार सूचना केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखी जाती है। तथापि रेलों में डकैती, लूटपाट और सेंधमारी के संबंध में उपलब्ध राज्यवार सूचना संलग्न विवरण में दी गई है (नीचे देखिए)।

(ग) रेलवे में अपराधों सहित, अपराधों को दर्ज करना, उनकी जांच-पड़ताल करना, उनका पता लगाना और उन्हें रोकने की जिम्मेवारी मुख्य रूप से राज्य सरकारों की है। राज्यों में, राजकीय रेलवे पुलिस नामक एक पृथक संगठन सामान्यतया होता है, जो पूर्णतः रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर किए गए अपराधों से निपटता है। तथापि, केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को उनकी पुलिस संरचना को सुदृढ़ करने के लिए सलाह देती है और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है।

विवरण

वर्ष 1995 तथा 1996 के दौरान, चलती रेलगाड़ियों में डकैती (डी), लूटपाट (आर) और सेंधमारी (बी) का संपात

क्रमांक	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	1995			1996			टिपणी (1996 के आंकड़े नीचे लिखे माह तक के हैं)
		डी	आर	बी	डी	आर	बी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	आन्ध्र प्रदेश	1	9	0	1	4	5	नवम्बर
2.	अरूणाचल प्रदेश	0	0	0	1	0	0	सितम्बर
3.	असम	7	4	6	6	8	6	जून
4.	बिहार	35	32	1	उ०न०	उ०न०	उ०न०	—
5.	गोवा	0	0	0	0	0	0	
6.	गुजरात	4	13	0	6	7	0	नवम्बर
7.	हरियाणा	0	2	0	0	0	1	सितम्बर
8.	हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	